

राजस्थान सरकार  
तकनीकी शिक्षा विभाग

क्रमांक : प. 11(9)त.शि./2004

जयपुर, दिनांक : 7 फरवरी, 2008

निदेशक (शिक्षा),  
प्राविधिक शिक्षा निदेशालय,  
जोधपुर।

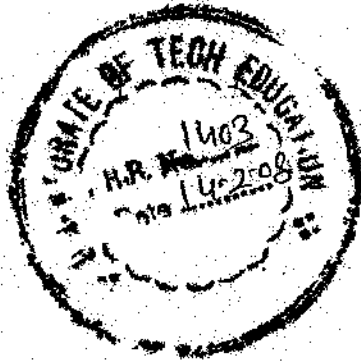
विषय :- शैक्षणिक भ्रमण हेतु राज्य से बाहर जाने की अनुमति के संबंध में।  
संदर्भ :- आपका पत्रांक : 3(1)प्राशिनि/ई-2/295 दिनांक 15.1.2008

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के द्वारा प्रेषित शैक्षणिक भ्रमण के मानदण्डों का निर्देशानुसार अनुमोदन किया जाता है। शैक्षणिक भ्रमण की अनुमति हेतु निर्धारित स्वीकृत वित्तीय प्रावधान उपलब्ध होने पर ही दी जावे। इस हेतु अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान उपलब्ध नहीं करवाया जावेगा।

2  
13/2

1  
ER



भवदीय,

( आर.के.गुप्ता )  
विशेषाधिकारी, त.शि.

राजस्थान-सरकार  
प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान, जोधपुर।

कमांक:एफ 3(1)प्राशिनि/ई-2/2004

दिनांक: 15/1/08

विशेषाधिकारी,  
तकनीकी शिक्षा विभाग,  
शासन सचिवालय,  
राजस्थान, जयपुर।

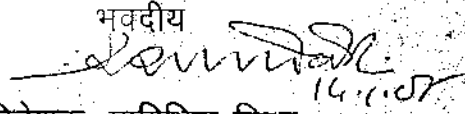
विषय: शैक्षणिक भ्रमण हेतु राज्य से बाहर जाने की अनुमति के संबंध में।  
सन्दर्भ: आपका पत्रांक प.11(9)त0 शि0/2004 दिनांक 14.12.07

महोदय,

विषयान्तर्गत आपके सन्दर्भित पत्र के क्रम में निवेदन हैं कि शैक्षणिक भ्रमण हेतु राज्य की सभी पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को राज्य से बाहर जाने की अनुमति दिये जाने का निर्णय लिया गया था। जिसके क्रम में प्रस्तावित मापदण्ड परिशिष्ट-"अ" पर संलग्न कर लेख हैं कि इनके आधार पर राज्य के भीतर तथा राज्य के बाहर शैक्षणिक भ्रमण की अनुमति प्रदान करावें।

शैक्षणिक भ्रमण से पॉलिटेक्निक छात्र/छात्राओं के ज्ञान कौशल में न केवल अभिवृद्धि होती है वरन् उनका व्यक्तित्व विकास भी होता है तथा आत्मविश्वास बढ़ता है। अनेक विशिष्ट उद्योग राजस्थान से बाहर होने से शैक्षणिक भ्रमण हेतु राजस्थान से बाहर जाकर इसका लाभ छात्र/छात्राओं को दिलाया जाना चाहिये। अतः प्रस्तावित मापदण्डानुसार शैक्षणिक भ्रमण हेतु राज्य की सभी पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को राज्य से बाहर जाने की अनुमति प्रदान करावें।

भवदीय

  
निदेशक, प्राविधिक शिक्षा

F. S. (D) शासन/६-२/२९५ दिनांक 15.01.2008

परिशिष्ट-“अ”

क्र.सं.	शैक्षणिक प्रमण के वर्तमान मापदण्ड	शैक्षणिक प्रमण के प्रस्तावित मापदण्ड
1	30 विद्यार्थियों तक के ग्रुप के साथ अधिकतम 2 राजपत्रित अधिकारी, 01 च.श्र.क. ही भेजा जायेगा।	राज्य के भीतर शैक्षणिक प्रमण के मापदण्ड 15 विद्यार्थियों तक के ग्रुप के साथ अधिकतम 01 राजपत्रित अधिकारी, 01 अराजपत्रित कर्मचारी तथा 01 च.श्र.क. विद्यार्थियों के साथ यात्रा करेंगे। 15 से अधिक विद्यार्थियों तक के ग्रुप के साथ अधिकतम 2 राजपत्रित अधिकारी, 01 अराजपत्रित कर्मचारी तथा 01 च.श्र.क. विद्यार्थियों के साथ यात्रा करेंगे।
2	प्रमण की अधिकतम अवधि 08 दिवस की होगी जिसमें आने व जाने का समय भी सम्मिलित होगा।	प्रमण की अधिकतम अवधि 14 दिवस की होगी जिसमें आने व जाने का समय भी सम्मिलित होगा।
3	प्रमण की अधिकतम दूरी 2000 कि.मी. होगी। जिसमें दर्शनीय स्थानों की दूरी भी सम्मिलित होगी।	प्रमण की अधिकतम दूरी 5000 कि.मी. होगी। जिसमें दर्शनीय स्थानों की दूरी भी सम्मिलित होगी।
4	प्रमण हेतु छात्रों को कन्सेक्शन दर पर रेल/बस किराया एवं स्थानीय प्रमण हेतु वाहन का किराया ही देय होगा जोकि अधिकतम 200/- रू० होगा।	प्रमण हेतु छात्रों को कन्सेक्शन दर पर रेल/बस किराया एवं स्थानीय प्रमण हेतु वाहन का किराया ही देय होगा जोकि अधिकतम 500/- रू० होगा।
5	इस प्रमण में मंत्रालयिक कर्मचारी कोई नहीं होगा।	यदि एक पोलिटिकल की किसी ब्रांच में प्रमण में जाने वाले छात्रों की संख्या 15 से कम होगी तो 02 या अधिक शाखा के छात्रों को एक साथ प्रमण पर भेजा जायेगा।
6	प्रमण हेतु सिर्फ राजस्थान में ही जाने का प्रावधान है।	यदि एक पोलिटिकल की किसी ब्रांच में प्रमण में जाने वाले छात्रों की संख्या 15 से कम होगी तो 02 या अधिक शाखा के छात्रों को एक साथ प्रमण पर भेजा जायेगा। प्रमण की अवधि में अगर छात्र अनुशासन हीनता करते हैं तो संबंधित अधिकारी अपने विवेक का उपयोग करते हुए कार्यवाही करेंगे। यदि आवश्यक समझा जाये तो प्रमण को बीच में स्थगित किया जा सकेगा।